अर्चिशा को लेटर ऑफ एप्रिसिएशन दिया गया। इस दौरान उनके पिता भी मौजूद रहे।

IIM का 14वां कन्वोकेशन • 7 स्टूडेंट्स को गोल्ड मेडल, 595 को डिग्री

व्हीलचेयर पर बेटी को रोज क्लासरूम पहुंचाते हैं पिता, दोनों को मिला सम्मान

सिटी रिपोर्टर . रायपुर

व्हीलचेयर पर अर्चिशा अपने पिता के साथ स्टेज की ओर बढ़ रही थी। अर्चिशा के हौसले और उसके पिता सुकांत के समर्पण को सलाम करने शबरी मैदान में सभी लोग खड़े होकर तालियां बजा रहे थे। अर्चिशा को आईआईएम रायपुर के 14वें दीक्षांत समारोह में लेटर ऑफ एप्रिसिएशन दिया गया। ऐसा इसलिए क्योंकि अर्चिशा को गंभीर बीमारी है और वो व्हीलचेयर पर ही रहती है। रोजाना उसके पापा ही उसे इंस्टीट्यूट लेकर पहुंचे हैं और क्लासरूम पहुंचाते हैं। इसके बावजूद उसने शानदार प्रदर्शन करते हुए आईआईएम के प्लेसमेंट में सर्वाधिक 33 लाख का हाइएस्ट पैकेज हासिल किया।

इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट (आईआईएम) रायपुर के 14वें दीक्षांत समारोह का आयोजन मंगलवार को कैंपस में संपन्न हुआ। मुख्य अतिथि के रूप में कोलगेट-पामोलिव इंडिया लिमिटेड की एमडी व सीईओ प्रभा नरसिम्हन शामिल हुईं। कार्यक्रम की अध्यक्षता बोर्ड ऑफ गवर्नेंस के चेयरमैन पुनीत डालमिया ने की। कन्वोकेशन में 2023-25 बैच के स्टूडेंट्स को डिग्री और मेडल बांटे गए। कुल 7 स्टूडेंट्स को स्वर्ण पदक दिया गया। एमबीए, ई-एमबीए, एफपीएम और ई-एफपीएम के 595 स्टूडेंट्स को डिग्री दी गई। 9 रिसर्च स्कॉलर को

लीडरशिप का मतलब बिजनेस गोल प्राप्त करना नहीं: प्रभा नरसिम्हन

शिवांगी आचार्य को जब डिग्री देने की बारी आई तो डायरेक्टर कांकाणी घुटनों के बल बैठ गए क्योंकि शिवांगी की हाइट कम है।

जीवन में पहला मौका हमेशा खास होता है। मैं भी पहली बार कन्वोकेशन में शामिल हो रही हूं। आज अपनी क्षमता को पहचानने का दिन है। यह आपकी कड़ी मेहनत, दृढ़ता और अर्जित ज्ञान का प्रतीक है। मेरी जर्नी में कई बाधाएं आईं, लेकिन इसने मुझे रोकने के बदले सबक दिया। लीडरशिप का मतलब सिर्फ बिजनेस गोल प्राप्त करना नहीं है। यह ऐसी संस्कृति को बढ़ावा देती है, जहां लोग योगदान करने, मूल्यवान महसूस करने और सामूहिक दृष्टिकोण साझा करने के लिए प्रेरित करें। इसके लिए उन्होंने कई मैसेज भी दिए...

सामाजिक योगदान: जर्नी का सार सिर्फ पावर, इनावेशन और लीडरशिप नहीं है। इसके मूल में समाज को वापस देने की जिम्मेदारी बड़ा उद्देश्य है। छोटी पहल प्रेरक शक्ति बन सकती है।
लीडरशिप: लीडरशिप बिजनेस गोल्स को प्राप्त करने से बढ़कर है। मेरे विचार में, सच्चा नेतृत्व ईमानदारी, सहानुभूति और हमारे द्वारा बनाए गए मूल्यों के प्रति प्रतिबद्धता पर आधारित है।
भविष्य को आकार दें: दुनिया को ऐसे लीडर्स की जरूरत है जो अपनी सफलता से दूसरों को भी अवसर दें। आप परिवर्तन करने वाले, इनोवेटिव और लीडर हैं, जो कल को परिभाषित करेंगे। भविष्य को आकार देना आपका काम है। इसका महत्व समझें।
स्थिरता अपनाएं: स्थिरता सिर्फ एक चर्चा का विषय या कॉर्पोरेट एजेंडा नहीं है। यह एक मानसिकता है। जीवन जीने और काम करने का एक तरीका है। भविष्य आपके हाथों में है, एक सस्टेनेबल दुनिया बनाने की जिम्मेदारी आप पर है।
जीवन का स्तंभ : जैसे ही आप इस अगले अध्याय में कदम रखते हैं, रेसीलेंस, इनोवेशन के लिए प्रेरणा, लीडरशिप का सार, वापस देने की भावना और स्टेबिलिटी के प्रति प्रतिबद्धता के सबक को आगे बढ़ाते हैं।

इन्हें मिला गोल्ड

एमबीए • **शुभम कुमार सिंह:** बीओजी चेयरपर्सन गोल्ड, • **सम्भ्रांत डैश:** डायरेक्टर गोल्ड, • **बनानी सरकार:** पीपीजी चेयरपर्सन गोल्ड, • **सबिताब्रत चटर्जी:** बेस्ट ओवरऑल परफॉरमेंस गोल्ड

ई-एमबीए • **प्रियम भारद्वाज:** बीओजी चेयरपर्सन गोल्ड, • **इशानी पॉल:** डायरेक्टर गोल्ड, • **ब्योमकेश मजूमदार:** ईपीजीपी चेयरपर्सन गोल्ड

Dainik Bhaskar, 16 April 2025, P.05 (City Bhaskar).jpg